भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 317

05 फरवरी, 2024 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र के लिए पर्याप्त कच्चे माल की आपूर्ति

317. श्री देरेक ओब्राईन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस्पात क्षेत्र के लिए कच्चे माल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) संस्थापित इस्पात विनिर्माण क्षमता के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है; और

(ग) वर्तमान क्षमता कितनी है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क) सरकार ने खनिजों की आपूर्ति को बढाने के लिए विभिन्न कदम उठाये हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित करने हेतु खनन और खनिज नीति में सुधार, समाप्त पट्टों वाली खानों की शीघ्र नीलामी और परिचालन, व्यापार करने में आसानी, सभी वैध अधिकारों और अनुमोदनों का निर्बाध हस्तांतरण, खनन प्रचालन प्रारंभ करने और प्रेषण के लिए प्रोत्साहन, खनन पट्टों का हस्तांतरण, कैप्टिव खानों को उत्पादित खनिजों के पचास प्रतिशत तक बेचने की अनुमति देना, गवेषण संबंधी क्रियाकलापों को बढ़ाना आदि शामिल हैं। कोयला मंत्रालय ने राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 में अनुमानित घरेलू कोकिंग कोयले की मांग को पूरा करने के लिए वित्तीय वर्ष 2022 में मिशन कोकिंग कोल आरंभ किया है।

(ख) और (ग): राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 में वर्ष 2030-31 तक क्रूड इस्पात की क्षमता 300 मिलियन टन (एमटी) रहने का अनुमान लगाया गया है जबकि वर्तमान में देश में क्रूड इस्पात क्षमता 171.35 एमटी है।

****